

भातखंडे में सोनल मानसिंह की मास्टरक्लास

जब कुलपति ने पार्वती बनकर सिखाया भावपक्ष



■ NBT न्यूज, लखनऊ : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कलामंडपम सभागार में मंगलवार को कला और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिला। पद्मविभूषण सोनल मानसिंह की विशेष मास्टर क्लास में विद्यार्थियों को नृत्य के भावपक्ष और अभिनय की बारीकियां समझाई गई। खास बात यह रही कि उन्होंने समझाने के साथ उसका जीवंत प्रदर्शन भी करवाया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने खुद पार्वती का किरदार निभाया, जबकि वरिष्ठ कथक गुरु पं. राममोहन महाराज ने सप्तऋषियों के भाव प्रस्तुत किए। सोनल मानसिंह ने विद्यार्थियों के बीच चल रहे 'हनुमान अंश' के चर्चित गीत 'जब जिद पर आ गई पार्वती...' का उदाहरण देते हुए नृत्य संयोजन और अभिनय के सूत्र समझाए। उन्होंने कहा कि पार्वती का हठ सामान्य स्त्री का नखरा नहीं, बल्कि देवी का तेज, स्वाभिमान और दृढ़ संकल्प है। वही सप्तऋषियों को उनके देवत्व का ज्ञान होते हुए भी उन्हें समझाने का भाव दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि सहज दिखने वाले अभिनय के पीछे की परिस्थिति को समझना जरूरी है।

'नर्तक असल में रिपोर्टर है' : सोनल मानसिंह ने नर्तक की भूमिका को नए अंदाज में समझाते हुए कहा कि कलाकार स्वयं पार्वती या सप्तऋषि नहीं होता, बल्कि 'रिपोर्टर' की तरह पूरी घटना को दर्शकों तक पहुंचाता है। इसलिए कलाकार को

'हनुमान अंश' के चर्चित गीत से पद्मविभूषण ने समझाई अभिनय की बारीकी

शरीर को बताया 'अद्भुत यंत्र'

सोनल मानसिंह ने बताया कि कलाकार को उंगलियों, कलाई और पैरों की हर गति के प्रति सजग रहना चाहिए। प्रकृति ने शरीर को अद्भुत क्षमता दी है, जरूरत उसे चेतना से जोड़ने की है। समापन पर उन्होंने कुलपति से इन भावों का कक्षाओं में अभ्यास करवाकर विडियो भेजने को कहा। हंसते हुए बोली, मैं इसे सोशल मीडिया पर डालूंगी। मेरा सोशल मीडिया मोदी जी भी देखते हैं, आप सब रातों-रात प्रसिद्ध हो जाओगे। इस पर सभागार तालियों और ठहाकों से गूंज उठा।

पात्र के भाव, परिस्थिति और संवाद-तीनों को समझकर प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने भगवान शिव के अलग-अलग स्वरूपों के अभिनय में भी अंतर बताया। 'वाके शीश पे गंगा' में शिव के भाव और 'गले में डाले फिर रे सांप' में उनके रुद्र स्वरूप को एक जैसा प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। चेहरे के भाव स्पष्ट रखने और भाव न सूझने पर चेहरे पर प्रसन्नता बनाए रखने की सलाह भी दी।